शास्त्रीय परिभाषामें धर्मशिक्षा देनेवाली

सनातनकी ग्रन्थसम्पदा

ईश्वरीय कृपास्वरूप प्राप्त दिव्य ज्ञानसे युक्त हिन्दी ग्रन्थ !

- 卐 अध्यात्मशास्त्र एवं साधना (५९ ग्रन्थ)
- 卐 देवताओंकी उपासना एवं शास्त्र (१५ ग्रन्थ)
- 卐 दैनिक आचारोंका पालन (२३ ग्रन्थ)
- 卐 सन्त (१२ ग्रन्थ)
- 卐 धार्मिक एवं सामाजिक कृत्य (१३ ग्रन्थ)
- 卐 बालसंस्कार (८ ग्रन्थ)
- 卐 राष्ट्ररक्षा एवं धर्मजागृति (२९ ग्रन्थ)
- 卐 स्वभाषारक्षा (२ ग्रन्थ)
- 卐 आपातकालमें उपयुक्त (२४ ग्रन्थ)

सितम्बर २०२४ तक ३६६ ग्रन्थोंकी १३ भाषाओंमें ९७ लाख ५९ सहस्र प्रतियां !

प्रकाशक : सनातन भारतीय संस्कृति संस्था, १०३, सनातन आश्रम, देवद, पनवेल, महाराष्ट्र. दू.क्र. : (02143) 233120, ई-मेल : granth@sanatan.org

प्रथम संस्करण : धनत्रयोदशी, कलियुग वर्ष ५१११ (१५ अक्टूबर २००९)

अष्टम संस्करण : लक्ष्मीपूजन, कलियुग वर्ष ५१२६ (१ नवम्बर २०२४)

मूल मराठी ग्रन्थ 'धर्मशिक्षण फलक'का अनुवाद । प्रस्तुत ग्रन्थ अंग्रेजी, कन्नड, गुजराती, तमिल, तेलुगु, मलयालम, इन भाषाओंमें भी उपलब्ध !

अनुवादक : कु. निधि श्याम देशमुख एवं श्री. सदाशिव राजदेव तिवारी

मुद्रणस्थल : प्रेस टेक प्रिंट, कोल्हापुर, महाराष्ट्र.

अर्पणमूल्य : ₹ ६५/- (₹ 65/-) ISBN 978-81-979242-2-4

अबतक ग्रन्थोंकी २३,८०० प्रतियां ! ॐ ग्रन्थ क्र. : १४२

© प्रकाशक All rights are reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted, in any form or by any means, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior written permission of the original publisher. Violators will be liable for criminal/civil action.

卐 अनुक्रमणिका 卐

फलकोंके विषय	संख्या	पृष्ठ क्र.
१. पश्चिमी नहीं; हिन्दू संस्कृतिका पालन करें ! (जन्मदिन, उद्घाटन, दीपप्रज्वलन, सात्त्विक वेशभूषा)	१२	७
२. हिन्दू धर्मके अन्तर्गत आचारोंका अध्यात्मशास्त्रीय आधार (वस्त्र, कुमकुमधारण, आहार, भोजन इत्यादि)	६	१०
३. धार्मिक विधियोंका अध्यात्मशास्त्र समझ लें ! (विवाह एवं मृत्युपरान्तके क्रियाकर्म)	६	१३
४. देवताओंकी उपासना और उत्सवों सम्बन्धी मार्गदर्शन (श्री गणपति, श्रीराम, हनुमान, शिव, दत्त, श्रीकृष्ण, देवी आदि)	१०	१६
५. देवालयमें दर्शन कैसे करें तथा साधना सम्बन्धी मार्गदर्शन	८	२१
६. आपात्कालकी तैयारीके रूपमें औषधीय वनस्पतियां उगाएं !	२	२५
७. भाषा, इतिहास एवं राष्ट्र प्रेमी बनें !	१०	२६
८. हिन्दू धर्म, मानबिन्दु एवं धर्मबन्धुओं की रक्षा करें !	१४	३१
९. हिन्दू राष्ट्र-स्थापनाकी आवश्यकता एवं दिशा	४	३८

(उपरोक्त धर्मशिक्षा फलकोंके अतिरिक्त अन्य फलक भी उपलब्ध हैं ।)

धर्मशिक्षा फलकोंके प्रायोजन हेतु निवेदन !

ग्रन्थमें प्रस्तुत 'धर्मशिक्षा फलक' राष्ट्र एवं धर्मकार्य के रूपमें स्वयं प्रायोजित कर सकते हैं अथवा अन्योंके सौजन्यसे प्रदर्शित कर सकते हैं । प्रायोजकोंकी इच्छा हो, तो फलकपर नीचे उनका नाम भी छाप सकते हैं । ऐसे कुछ नमूने 'पृष्ठ ७ एवं १०' पर प्रस्तुत हैं । फलकोंकी मांगके लिए सम्पर्क : 9322315317

यह ग्रन्थ स्वयं पढें तथा अन्योंको भी भेंटस्वरूप दें !

सनातन संस्था एवं हिन्दू जनजागृति समिति

ॐ धर्मशिक्षा फलक ॐ

卐 अनुक्रमणिका 卐

फलकोंका विषय	फलकसंख्या	पृष्ठ क्र.
१. दैनिक आचारपालन तथा अलंकारशास्त्र समझ लें !	१०	२
२. विवाहसंस्कार एवं दाहसंस्कारका धर्मशास्त्रीय आधार !	१४	७
३. देवताओंकी उपासना तथा उत्सवसम्बन्धी मार्गदर्शन !	१६	१४
४. साधना, आध्यात्मिक उपचार तथा बालसंस्कार	६	२२
५. इतिहास एवं राष्ट्र प्रेमी बनें !	१२	२५
६. हिन्दू धर्म एवं मानबिन्दुओं की रक्षा तथा हिन्दू राष्ट्र !	१०	३१
७. प्राथमिक उपचार प्रशिक्षणकी आवश्यकता !	२	३६
८. धर्मप्रसारक संगठन एवं सत्पात्र को दान करनेका महत्त्व	८	३७

समाजको धर्माचरण एवं अध्यात्मकी शिक्षा देनेका यथा-क्षमता प्रयत्न करना, समष्टि (समाजगत) साधना है । धर्मशिक्षा फलकोंके लिए स्वयं प्रायोजक बनें अथवा अन्योंको बनाएं । इस धर्मकार्यमें सहभागी होकर ईश्वरीय कृपाके पात्र बनें !

(ऊपर उल्लेखित धर्मशिक्षा फलकोंके अतिरिक्त, अन्य विविध विषयोंपर ७२ फलक रंगीन ग्रन्थमें दिए हैं ।)